कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 2412380

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय भूगोल

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 16 फरवरी, 2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	9	19	
2	5	20	
3	9	21	
4	1½	22	
5	1½	23	
6	1½	24	
7	1½	25	
8	1½	26	
9	1½	27	
10	1½	28	
11	1½	29	
12	3	30	
13	3	31	
14	3	योग	56
15	4	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	2	56	छप्पन
18	2		

परीक्षक के हस्ताक्षर Ajay संकेतांक 33494

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

1.

i) ब) निश्चयवाद

ii) ब) संसाधन भूगोल।

iii) अ) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के द्वारा।

iv) अ) सामाजिक सेक्टर में अधिक निवेश।

v) स) तृतीय

vi) अ) प्राथमिक।

vii) द) साधारण औजारों द्वारा पारिवारिकस्तर पर उत्पादन।

viii) अ) पैकेट स्टेशन पत्तन।

ix) अ) मानसून एशिया।

x) ब) भूमध्यसागरीय खट्टे फल।

xi) द) चतुर्थक क्रियाकलाप।

xii) अ) जापान, चीन, भारत में।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	xiii)	अ) केरल ।
	xiv)	ब) 1872 ।
	xv)	अ) विशाल आकृति व आकार, प्रशासकीय प्रकार्य ।
	xvi)	अ) सड़क परिवहन ।
	xvii)	अ) कांडला ।
	xviii)	द) ध्वनि प्रदूषण ।
	2.	
	i)	कल्याणकारी ।
	ii)	गुणात्मक ।
	iii)	जनसंख्या वृद्धि ।
	iv)	प्रवास ।
	v)	मिश्रित ।
	vi)	सरकार ।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	vii)	शैक्षिक / शैक्षणिक ।
	viii)	नोड (Node) ।
	ix)	पल्लीकृत ।
	x)	वेवानद्ध (कोटीचे पत्तन) ।
	3.	
	i)	मानव विकास के दो उपागम निम्न है —
		1.) कल्याण उपागम 2.) आधारभूत आवश्यकता उपागम ।
	ii)	मानव विकास सूचकांक को मानव विकास मापन का सर्वाधिक विश्वसनीय माप इसलिए नहीं कहते है क्योंकि यह लोगों के विकल्पों व समानता, आदि को नजरअंदाज करता है।
	iii)	दहन कृषि :- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में आदिमकालीन समाज के लोगों द्वारा वनों को जलाकर, उस

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		स्थान पर ऊर्जा कार्य करने की प्रक्रिया को वहन व स्थानांतरित ऊर्जा कहते है।
	iv)	पनामा नहर मे 6 जलबंधक तंत्र बनाए गए है क्योंकि प्रशांत सागर व अटलांटिक सागर मे भूतल समान नही है तथा ऊबड़-खाबड़ स्थलकृति के कारण लॉक सिस्टम रखे गए है। जल का एकसमान प्रवाह बनाए रखने हेतु।
	v)	जनसंख्या वृद्धि के दो घटक निम्न है — i) अशोधित जन्म दर (CBR) ii) अशोधित मृत्यु दर (CDR) जनसंख्या वृद्धि = जन्म - मृत्यु
	vi)	जनसंख्या अध्ययन मे जनघनत्व से तात्पर्य किसी क्षेत्र विशेष मे किसी निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगो की संख्या से है। यह हमे बताता है कि किसी प्रति

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वर्ग कि.मी. क्षेत्र में कितने लोग निवास कर रहे है।

सूत्र- जनघनत्व = $\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$

vii) हेमेटाइट व मेग्नेटाइट लौह आयस्क के प्रकार है। जिसकी भारत मे प्रचुरता है। यह सर्वोत्तम गुणवत्ता के लौह अयस्क है।

viii) भारत के सड़क जाल का विश्व में दूसरा स्थान है। भारत के कुल सड़क जाल की लंबाई 62.16 लाख वर्ग कि.मी. है।

ix) गंदी बस्तियों के बनने मे प्रवास की भूमिका —

i) नगरो मे ग्रामीण लोग रोजगार हेतु बड़ी संख्या मे आकर बस जाते है और गंदी बस्तियों मे सघनता से रहने लगते है।

ii) अत्याधिक सघन जनसंख्या के कारण आधिक अपशिष्टों का जमाव होता है।

iii) यहाँ कचरे का प्रबंधन समुचित नहीं होता है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड-ब

4. नवनिश्चयवाद विचारधारा —

प्रतिपादक - ग्रीफिथ टेलर

इस विचारधारा में मानव व प्रकृति के बीच सतुलन बनाए रखने का कहा गया है। मानव को प्रकृति के नियमो का पालन करके तकनीकी का विकास संतुलित रूप से करना चाहिए, यह मध्यमार्ग की विचारधारा है इसे 'रूको और जाओ निश्चयवाद' विचारधारा भी कहते है।

मूल :- "प्रकृति को नुकसान पहुचाएँ बिना नियमो का पालन कर प्रोद्योगिकी का विकास"

---

5. मुक्त व्यापार :- विभिन्न देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु अपने देश की अर्थव्यवस्था को खोलना मुक्त व्यापार कहलाता है।

नकारात्मक प्रभाव :- जब कोई विकासशील देश मुक्त व्यापार करता है तब विकसित देश कम कीमत मे वस्तुओं का निर्यात

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

करते है जिससे विकासशील देशो के छोटे व्यापारियों को नुकसान होता है क्योंकि उनके द्वारा उत्पादित सामान महंगा है और लोग विकसित देशों द्वारा आयातित सस्ते सामानो को खरीदते है।

मूल :- नकारात्मक प्रभाव - छोटे स्थानीय व्यापारियों के धंधे बंद।

6. उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग के विश्व के बर व्यस्ततम व्यापारिक जलमार्ग के रूप में विकसित होने के कारण -

i) यह विश्व के दो विकसित अर्थव्यवस्था वाले भागो को जोड़ता है।

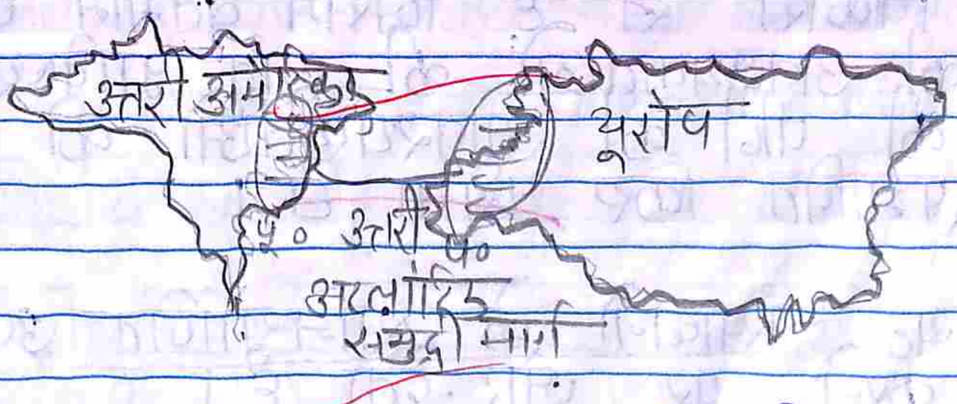

↳ उत्तर-पूर्वी अमेरिका व यूरोप के उत्तर पश्चिमी भाग को जोड़ता है।

↳ यह विश्व का 1/4 व्यापार होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

7. जलवायु कारक पर्यटक स्थलों को विकसित करती है —

i) अत्यधिक शीत प्रदेश के लोग उष्ण प्रदेशों को पसंद करते हैं व अत्यधिक उष्ण जलवायु के लोग शीत प्रदेश में छुट्टियाँ मनाना पसंद करते हैं।

जैसे – यूरोप के शीत प्रदेश के लोग भूमध्यसागरीय जलवायु में व तटीय भागों में जाते हैं।

1/2

8. सतत पोजणीय विकास :- सतत पोजणीय से तात्पर्य ऐसे विकास से है जिसमें वर्तमान पीढ़ी की अवश्यकताओं की पूर्ति भविष्य की पीढ़ी की आवश्यकताओं को प्रभावित किए बिना हो।

1/2

→ यह संसाधनों के सुनियोजित उपयोग करने पर जोर देता है।

→ यह 'विश्व पर्यावरण व विकास आयोग' द्वारा 1987 में प्रस्तावित किया गया है।

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

9. भारत में कृषि योग भूमि के निम्नीकरण के तीन कारण निम्न है-

i) अत्याधिक सिंचाई :- अत्याधिक जल के कारण कृषि भूमि का निम्नीकरण हुआ है।

ii) अत्याधिक रसायनों का प्रयोग :- भूमि में अत्याधिक रसायनों व कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि का निम्नीकरण हो गया है।

iii) परती छोड़ने के कारण स्थलरूपों का निर्माण :- भूमि को अधिक समय तक परती छोड़ने के कारण वह कृषि योग्य नहीं रहती और उस पर अन्य भौगो स्थलरूप का निर्माण कर दिया जाता है।

---

10. राष्ट्रीय राज्यमार्ग के दो महत्व :-

i) राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यों के मुख्यालयों, महानगरों, पत्तनों, राजधानियों व दूरस्थ स्थानों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं।

ii) यह आवागमन में अत्याधिक सुविधा प्रदान करते हैं। यह 4, 6, व 8 लेन

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वाले होते है। इनकी चौड़ाई 80 m होती है।

iii) भारत की कुल सड़क लंबाई में राष्ट्रीय राज्यमार्गों का केवल 2% भाग आता है।

iv) इनका अनुरक्षण, निर्माण व कार्य केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है।

11. अपशिष्ट पदार्थों के सकारात्मक उपयोग-

• भूमिका - अपशिष्ट पदार्थ ऐसे पदार्थ होते है जिनका उपयोग हो गया हो और वह कचरे के ढेर के रूप में जमा होते हैं।

सकारात्मक उपयोग :- इस हेतु '3R' वाली पद्धति का उपयोग करना चाहिए।
Reuse (पुनःउपयोग) Recycle (पुनःचक्रण) Refuse.

↳ सड़े-गले पदार्थ व सब्जियों का उपयोग हमें खाद बनाने में करना चाहिए।
↳ औद्योगिक व नगरपालिका अपशिष्ट का प्रयोग हमें जैव ऊर्जा में करना चाहिए।
↳ पुरानी धातुओं को पिघलाकर (द्रावण) को नए बर्तनों व मूर्तियों बनाने में करना चाहिए।
↳ प्लास्टिक पुनः चक्रण कर सही उपयोग करना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड – स

12. व्यापारिक केन्द्र :- व्यापारिक केन्द्र से तात्पर्य ऐसे केंद्रो से है जहाँ वस्तुओं का क्रय (खरीदना) व विक्रय (बेचना) का कार्य सम्पन्न किया जाता है।

ग्रामीण तथा नगरीय व्यापारिक केन्द्रो की विशेषताएँ —

ग्रामीण केंद्र	नगरीय केंद्र
1. यह सीमित क्षेत्र व विशेष गाँव को सुविधाएँ उपलब्ध कराते है।	1. यह विस्तृत क्षेत्र व बड़े नगरो को सुविधाएँ, उपलब्ध कराते है।
2. यह किसी गाँव मे छोटे आकार का केंद्र होता है।	2. यह किसी नगर में बड़े आकार का केंद्र होता है।
3. यहाँ जरूरत का केवल सुद्ध्य सामान उपलब्ध होता है।	3. यहाँ सभी प्रकार का सामान उपलब्ध होता है।

3

P.T.O.

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

4.	यहाँ सामानों की गुणवत्ता साधारण होती है।	4.	यहाँ सामानों की गुणवत्ता अधिक व उच्च होती है।
5	इन केंद्रो के दुकानदार छोटे व्यापारी होते है।	5	इन केंद्रो के दुकानदार बड़े व्यापारी होते है।
6.	इन केंद्रो मे सामान कम दाम मे मिलते है।	6.	इन केंद्रो के सामानो का दाम उच्च होता है।
7	यह आसपास के क्षेत्रो को सामान उपलब्ध कराते है।	7.	यह दूरस्थ क्षेत्रो को सामान उपलब्ध कराते है।

13. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश मे खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए किए गये उपायों की निम्नलिखित चरणो मे समझा जा सकता है –

i) कृषि भूमि मे सुधार – स्वतंत्रता प्राप्ति तक देश की कृषि भूमि बंजर व कृषि अयोग्य थी, इस कारण सरकार ने उपलब्ध प्रौद्योगिकी की मदद से कृषि भूमि को कृषि हेतु योग्य बनाया गया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ii) विदेशों से HYV बीज मँगवाना :-
गेहूँ के बीज मैक्सिको व चावल के बीज फिलीपिंस से मँगवाए गए।

iii) नकदी फसलों के स्थान पर खाद्यान्न फसलों का उत्पादन :-
कपास व नील के स्थान पर खाद्यान्न की दशा सुधारने हेतु चावल व गेहूँ जैसी फसलों को उगाया गया।

iv) रसायनों व कीटनाशकों का प्रयोग :-
उत्पादन बढ़ाने व फसलों को रोग से बचाने हेतु उर्वरकों व कीटनाशकों का प्रयोग किया गया।

3

v) तकनीक व प्रौद्योगिकी का विकास :-
पुराने औजारों के स्थान पर तकनीक का प्रयोग किया गया।

vi) भारत किसान पोर्टल व कृषि विकास कार्यक्रमों द्वारा किसानों को जागरूक व शिक्षित करना।

vii) यह सभी गतिविधियाँ 1960 के

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दशक के अंत तक शुरू हुई हरित क्रांति के द्वारा चलाई गई थी।

---

14. भारत मे खनिज संसाधनों का सरक्षण :-

i) खनिजो का महत्व :- खनिजो का मानव जीवन मे अत्याधिक महत्व है। यह पृथ्वी की भू-पर्पटी मे पाए जाने वाले पदार्थ होते है। यह प्रकृति से प्राप्त महत्वपूर्ण संसाधन है मानव के लिए इनका सुनियोजित उपयोग व संरक्षण मानव का कर्त्तव्य है।

ii) खनिजों का वितरण :- भारत मे खनिजो का वितरण असमान है, इसको तीन पेटियो मे विभाजित किया गया है -

i) उत्तर-पश्चिमी पट्टी
ii) दक्षिण - पश्चिमी पट्टी
iii) उत्तर-पूर्वी पट्टी

↳ इस असमान वितरण का हमे संरक्षित कर सततता से उपयोग करना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

iii) समाप्य स्रोत :- यह निश्चित मात्रा में पाए जाते है और इनके अधिक उपयोग से यह समाप्त हो सकते है।

iv) संरक्षण हेतु उपाय :- परंपरागत ऊर्जा संसाधनो के स्थान पर हमे अपरंपरागत ऊर्जा संसाधनो को अपनाना चाहिए।
जैसे - कोयले के स्थान पर विद्युत ऊर्जा

v) सतत पोजणीय विकास का पालन करना चाहिए ताकि संसाधनो के दोहन को रोककर भावी पीढी हेतु बनाए रखना चाहिए।

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

15. कच्चे माल पर आधारित चार उद्योग निम्नलिखित है :-

i) कृषि आधारित उद्योग
ii) पशु आधारित उद्योग
iii) वन आधारित उद्योग
iv) रसायन आधारित उद्योग
v) खनिज आधारित उद्योग

BSER-177/2024

i) कृषि आधारित उद्योग :- यह उद्योग कृषि से प्राप्त कच्चे माल पर निर्भर होते है जैसे गन्ना, गन्ने की कृषि करते है जिसे कच्चे माल के रूप में प्रयोग कर विनिर्माण द्वारा चीनी बनाते है। फल, सब्जी आदि का उपयोग करके जैम, अचार उद्योग का कार्य किया जाता है।

अन्य उदा० - जूट, तिलहन फसलो (तेल), आदि।

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ii) खनिज आधारित उद्योग :-

खनिजों से प्राप्त कच्चे माल को धातु में परिवर्तित कर इस्पात बनाना और विभिन्न मशीनों का निर्माण करना।

उदा० - बॉक्साइट अयस्क - एल्युमिनियम

iii) वन आधारित उद्योग :-

वनों से प्राप्त कच्चे माल का प्रयोग विभिन्न वस्तु जैसे - कागज़, कुर्सी, फर्नीचर (इमारती लकड़ी), लाख से लाख की चूड़ियाँ, शाल से गोंद, रबड़ व कुलार्टा का निर्माण होता है।

iv) पशु आधारित उद्योग :-

पशुओं से प्राप्त कच्चे माल जैसे भेड़ से ऊन, गाय व भैंस से दूध, हाथीदाँत उद्योग हेतु दाँत हाथी से प्राप्त होते है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	v)	**रसायन आधारित उद्योग :-**
		रसायन आधारित उद्योग में रसायन, पेट्रोरसायन, गंधक, वेस्लीन, आदि का निर्माण होता है। नमक भी एक महत्वपूर्ण रसायन आधारित उद्योग है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

16. जल संरक्षण का महत्त्व :- जल मानव जीवन के लिए अत्यावश्यक चक्रीय संसाधन है। जल का मानव जीवन में होना अत्याधिक महत्वपूर्ण है।

विश्व के कुल जल का भारत में 4% जल संसाधन उपलब्ध है।

भारत में धरातलीय जल :- 690 घन कि.मी.
भारत में भौमजल :- 432 घन कि.मी.

जल का सभी आर्थिक गतिविधियों जैसे मछली पालन, कार्जि, उद्योगों में उपयोग किया जाता है।

सिंचाई में जल का 89% (धरातल) व 92% (भौमजल) में किया जाता है।

जल प्रबंधन :- जल का समुचित प्रबंधन अत्यावश्यक है इस हेतु सरकार ने जल-संभर प्रबंधन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके अंतर्गत निम्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं -

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

i) हरियाली :- केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई योजना है जिसमें जल का समुचित उपयोग व संतुलन बनाए रखने का उद्देश्य है।

ii) नीरु - मीरु (जल और आप) :- यह आंध्रप्रदेश में चलाई गई योजना है।

iii) अरवारी पानी संसद :- राजस्थान के अलवर जिले में चलाई गई योजना है।

↳ इन सभी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य धरातलीय और भौमजल के दक्ष प्रबंधन का है।

जल को संग्रहित करने हेतु उपाय :-

i) जल का पुनःचक्रण :- जल का पुनः उपयोग करना चाहिए जैसे नहाने, धोने के पानी को बागवानी में प्रवाहित करना।

5

B.S.E.R.
U

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2026

भूगोल

GEOGRAPHY

उत्तर:-

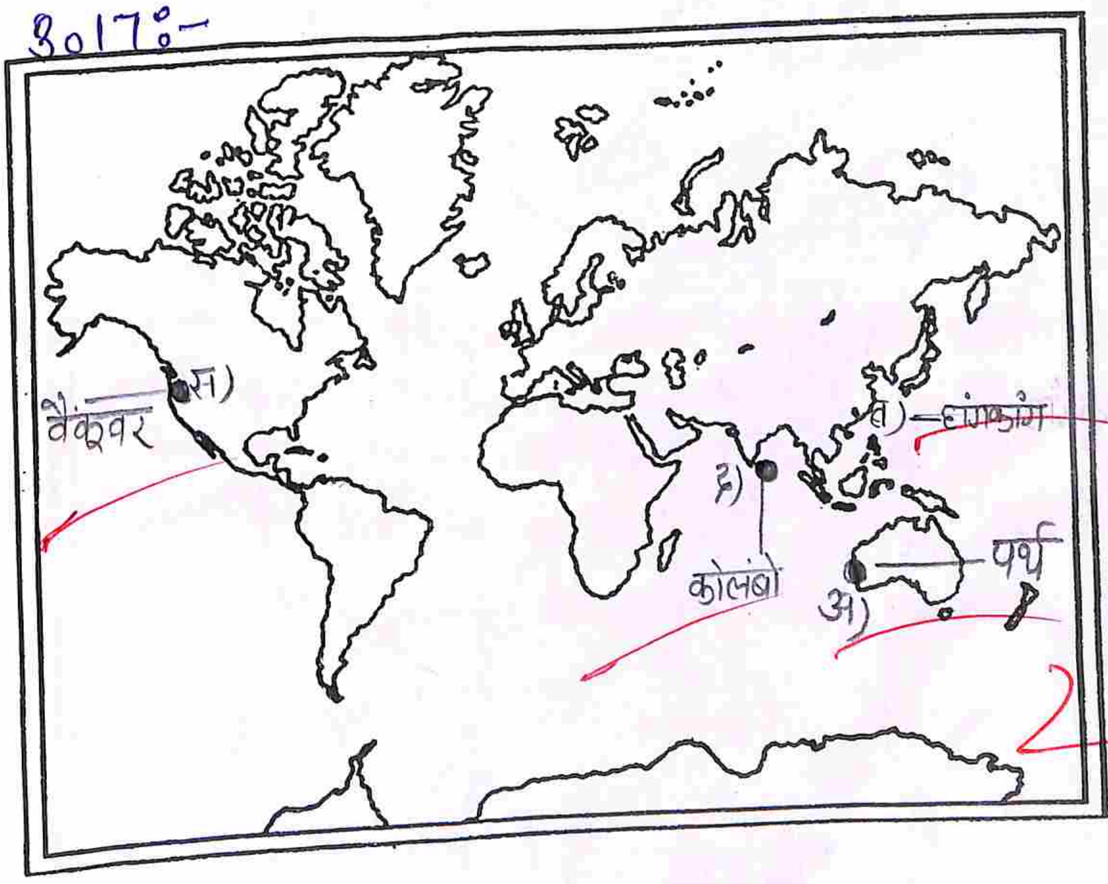

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

SS-14-Geog.

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2026

भूगोल

GEOGRAPHY

उ०18:-

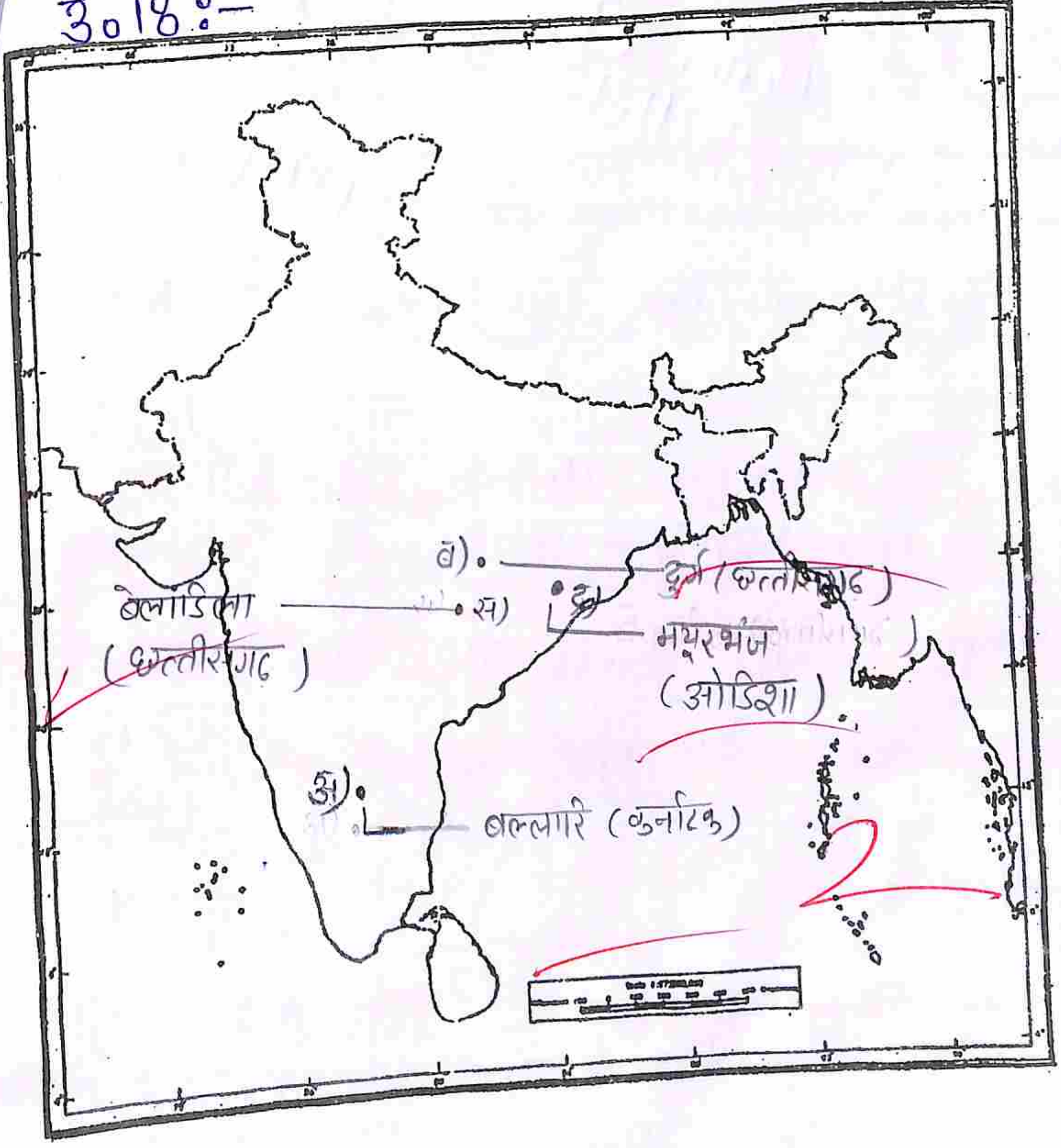

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ii) जल को प्रदूषण होने से बचाना :- जल मे अपशिष्ट, कीटनाशको को विसर्जित होने से रोकना।

iii) टांका का निर्माण :- तमिलनाडु राज्य मे टांका (भूमिगत टैंक) का निर्माण कर जल का संग्रहण करना अनिवार्य बना दिया है।

iv) 'जल का पुनर्भरण करना;

v) जल को दुरूपयोग से बचाना।

vi) जल संरक्षण से सम्बंधित परियोजनाएँ बनाना उनका कठोरता से क्रियान्वयन करना।

vii) लोगो को विभिन्न जनसंचार माध्यमो द्वारा 'जल अधिनियम 2015-16', 'जल नीति 2002' आदि के बारे मे शिक्षित करना।

viii) जल संरक्षण से संबंधित परियोजनाएँ निम्न है :-
i) 'जल उपकर अधिनियम, 1977'
ii) 'जल और पर्यावरण अधिनियम, 1986'

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		'जल संरक्षण परियोजना 1974;'
		"जल ही जीवन है इसे बचाना हमारा कर्तव्य है।"
		समाप्त

BSER-177/2024

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न संख्या	

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024